बिशप देवदास एम्ब्रोज़ विद्यालया

अभिवादन :- **श्रीमती वी. मंजुला देवी**

प्रशासक :- **Rev.Fr. पी.जार्ज फेर्नान्दस जी**

प्रधानाध्यपिका :- **Rev.Sr. एस. जेनिफर जी**

सम्वाद्दाता :- **Rev.Fr. ए. मैकल जी**

पुरस्कार वितरन् :- **Rev.Fr. जॉन पीटर जी**

धन्यवाद प्रस्ताव :- **श्रीमती ए. शिवपाक्यम्**

नई दिशा के सदस्य

वी. मंजुला देवी

ए. शिवभाक्यम

वी. भाग्य मेरी

रीना विन्सेंट

जी. लता

BISH HOOL
hanjavur

नई दिशा

14 सितम्बर 2019 हमारे बिशप स्कूल में " नई दिशा " " NEW DIRECTION " शुरु किया गया। सभी कक्षा के छात्राओं ने बड़ी रुचि से भाग लिया। सितम्बर से हमारे पाठशाला में हर महीना हिन्दी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। उस दिन सभी बच्चे हिन्दी में कार्यक्रम करने से प्रबंधन-कर्मचारी, शिक्षकों, छात्र- छात्राओं और उनके माता - पिता बहुत खुश हो गए।

अक्तूबर महीना " पहली वर्ग " के बच्चों से शुरु किया गया था। इसमे विभिन्न प्रकार के चित्र बनाकर उसमें रंग भरें। पहली कक्षा के बच्चों ने बड़ी चाह से शामिल हुए।

नवम्बर महीना " दूसरी वर्ग " के बच्चों ने " हिन्दी सुलेख " प्रतियोगिता में भाग लिया। " कलिग्रफी " उनके नन्हे - नन्हे हातों से इस प्रतियोगिता में चार चाँद लगा दिए।

दिसम्बर महिने में " तीसरी वर्ग " के बच्चों ने " दिया " को रंगीन बनाए और " फेन्सी ड्रेस " प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसमे बच्चों ने नेताओं के रूप में अपना वेश - भूषा धारण किया। उदाहरण के लिए नेहरूजी, गाँधीजी, सुभाष चन्द्र बोस का वेश डाले। उसी प्रकार मदर तेरसा, कट्टबोम्मन, छत्रपति वीर शिवाजी, झांसी रानी, अध्यापक, अध्यापिका का वेश भूषा धारण कीये। बच्चों ने फल और पेड़ के वेश भी डाले थे।

जनवरी शुभकामना कार्ड का प्रतियोगिता चौथी कक्षा के बच्चों द्वारा किया गया। इन में बच्चें विभिन्न प्रकार के कार्ड बनाए। जिसमें जन्मदिन, पोंगल, दिवाली का कार्ड बनाए।

फरवरी पाँचवी कक्षा ने " प्रतिज्ञा प्रतियोगिता " में भाग लिये। जिसमें यह प्रतीक होता है कि हमारे बिशप के बच्चें भारत के सच्चे नागरिक हैं।

छठी कक्षा के बच्चों ने नृत्य का प्रतियोगिता में भाग लिये और मज़े से भाग लिये। पूरा बिशप स्कूल आनंद से झूम उठा।

BISHOP'S SCHOOL Thanjavur

हिन्दी दिवस के दिन सभा में

1. प्रार्थना गीत

2. बाईबल , खुरान और भगवत गीता में से बच्चों द्वारा कुछ पंक्तियाँ बोले गए ।

3. प्रतिज्ञा

4. दोहे और उनके अर्थ तमिल और अंग्रेजी में कहे गये ।

5. सामान्य ज्ञान में प्रशन पूछे गये बच्चों ने उत्तर दिये ।

6. प्रसिध्द मुहावरों को बच्चों द्वारा बोलकर दोहराए और उनके अर्थ भी कहे।

7. किसी भी भाषा की उन्नती के लिए नई - नई शब्दों की जानना आवश्यक हैं । इसी कारण नए शब्द बोले गए ।

8. नाटक दूसरी , तीसरी और पाँचवी कक्षा के बच्चों ने रचे ।

   दूसरी :- कौआ और लोमड़ी

   तीसरी :- प्यासा कौआ

   पाँचवी :- टोपी वाला और बन्दर

9. एकवचन - बहुवचन :- बच्चों ने बच्चों से प्रशन किये। एक दल एकवचन, दूसरा दल बहुवचन । उन्होंने आपस में प्रशन - उत्तर का आदान - प्रदान किये ।

10. कविता से कल्पना की ज्ञान बढ़ती है । वे कविता को अपने - अपने ढंग से वर्णीत किये गये कविताओं को प्रस्तुत किये ।

11. भाषण के बिना कोई भी कार्यक्रम अधूरा है । इसी प्रकार बिशप के बच्चें हिन्दी दिवस पर भाषण दिये।

12. नाटक में बच्चों ने अपने - अपने पात्रों को सजीव बनाया और इस नाटक में यदि दक्षिण भारत का मनुष्य बिना हिन्दी जाने अगर वह उत्तर भारत में जाये तो बहुत पश्चाता है । इसी को बच्चों ने नाटक के द्वारा प्रस्तुत किये।

13. नृत्य में हर तरह की भावना को अभिव्यक्त कर सकते हैं । बिशप के बच्चों ने अपने नृत्य से दूसरों के दिलों को जीत लिए।

14. अन्त में बच्चों ने विभिन्न राष्ट्र के वेश भूषा धारण करके अपने भारत के एकता को प्रतीक किया । इससे ये पता चलता है कि भारत में कई भाषा , वेश भूषा , खान - पान होने पर भी हमारा एक ही विचार है कि हम भारतीय हैं ।

15. सभा के समाप्त में राष्ट्रीय गीत से इस " नई दिशा " की समाप्ती की गई ।

धन्यवाद

BISHOP'S SCHOOL Thanjavur